

Article Date	Headline / Summary	Publication
30 Apr 2026	हेल्थ इंश्योरेंस रिन्यू करने जा रहे हैं, कितना सही है आपका प्लान? पॉलिसी अपडेट करने से पहले खुद से पूछें ये 5 सवाल	Jagran

हेल्थ इंश्योरेंस रिन्यू करने जा रहे हैं, कितना सही है आपका प्लान? पॉलिसी अपडेट करने से पहले खुद से पूछें ये 5 सवाल



नई दिल्ली। आज के समय में हेल्थ इंश्योरेंस खरीदना वैकल्पिक नहीं बल्कि एक फाइनेंशियल आवश्यकता बन गया है। क्योंकि मेडिकल एमरजेंसी किसी निमंत्रण का इंतज़ार

नहीं करती। ऊपर से इलाज के बढ़ते खर्च और लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों में आ रही तेज़ी के चलते, एक बड़ी मेडिकल एमरजेंसी आपकी सालों की फाइनेंशियल प्लानिंग को भारी झटका दे सकती है। हालांकि, पॉलिसी खरीदना पहला चरण होता है। लेकिन इसे समय के साथ अपडेटेड रखना ही लंबे समय में सुरक्षा सुनिश्चित करता है। रिन्यूअल का समय इसी बात को जांचने का सही मौका देता है कि क्या आपकी पॉलिसी आज भी आपके लिए सही है या नहीं? आइए देखें कि पॉलिसी को रिन्यू करने से पहले खुद से कौनसे अहम सवाल पूछने चाहिए।

सवाल-1: क्या मेरे वर्तमान और भविष्य के लिए यह सम इंश्योर्ड पर्याप्त है?

जवाब: भारत में मेडिकल खर्च लगातार तेज़ी से बढ़ रहे हैं, जिसके चलते, जो सम इंश्योर्ड कुछ साल पहले पर्याप्त लगता था, वह आज कम पड़ सकता है। कई शहरों में तो एक बार हॉस्पिटल में भर्ती होने का बिल ही लाखों रुपये तक पहुंच जाता है।

ऐसी अनचाही परिस्थिति से बचने के लिए, अगर आपको लगे कि क्लेम के समय आपका सम इंश्योर्ड कम था, तो रिन्यूअल के समय अपने सम इंश्योर्ड को रिव्यू करना एक स्मार्ट कदम होगा। अपने सम इंश्योर्ड को रिव्यू करते समय, आपके शहर के हॉस्पिटल्स का अमूमन खर्च, पसंदीदा हॉस्पिटल का प्रकार व स्तर, आपकी आयु और कवरेज में शामिल सदस्यों की संख्या जैसे कारकों पर ध्यान दें।

आपके हेल्थ इंश्योरेंस को न सिर्फ हॉस्पिटल के सामान्य खर्चों के लिए, बल्कि गंभीर और महंगे इलाज के मामलों में भी आपका सहारा बनना चाहिए, जहां लंबे समय तक हॉस्पिटल में भर्ती रहना पड़ सकता है। अगर आपको लगता है कि आपका मौजूदा कवर पर्याप्त नहीं है, तो आप बेस कवर बढ़ाने का विकल्प चुन सकते हैं या फिर एक सुपर टॉप-अप प्लान लेकर कम लागत में अपनी सुरक्षा को ज़्यादा मज़बूत बना सकते हैं।

खबरें और भी

Health Insurance Renew Rule: क्या आपको भी सताता है नई बीमारी पर प्रीमियम बढ़ने का डर? क्या हैं नियम पैसों की बचत करना चाहते हैं तो रोज चलें 10000 कदम, हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियां दे रही हैं छूट

सवाल-2: क्या यह पॉलिसी अभी भी मेरी आयु और स्वास्थ्य आवश्यकताओं के अनुसार सही विकल्प है?

जवाब: आम धारणा के विपरीत, हेल्थ इंश्योरेंस कोई स्थिर प्रोडक्ट नहीं है, बल्कि इसे आपकी जिंदगी के साथ बदलते रहना चाहिए। जैसे-जैसे आप जीवन के अलग-अलग पड़ावों से गुज़रते हैं- जैसे शादी, माता-पिता बनना, या वरिष्ठ माता-पिता की ज़िम्मेदारी उठाना, वैसे-वैसे आपकी ज़रूरतें भी काफी बदल जाती हैं।

खुद से पूछें- 'क्या अब क्रिटिकल इलनेस कवर या OPD बेनिफिट्स जैसे ऐड-ऑन्स चुनना फायदेमंद होगा?' 'क्या अब ऐसे प्लान में अपग्रेड करने का समय है जिसमें कम सब-लिमिट्स हों?' 'क्या माता-पिता के लिए अतिरिक्त कवर की ज़रूरत है?'

रिन्यूअल सिर्फ प्रीमियम भरकर पॉलिसी जारी रखने का समय नहीं होता, बल्कि यह आपके जीवन के मौजूदा चरण के हिसाब से अपने प्लान को बेहतर बनाने का मौका भी होता है। पॉलिसी की निरंतरता बनाए रखने के लिए, उसकी एक्सपायरी से पहले ही उसे ध्यान से रिव्यू कर लेना ज़रूरी है।

सवाल-3: मुझे कितना संचयी बोनस मिला है?

जवाब: कई इंश्योरेंस कंपनियां क्लेम-मुक्त वर्षों के लिए पॉलिसीधारकों को संचयी बोनस (CB) देती हैं। इसमें बिना किसी अतिरिक्त प्रीमियम के आपका सम इंश्योर्ड हर साल एक तय प्रतिशत से बढ़ता जाता है। यह बोनस, एक निश्चित सीमा तक, हर क्लेम-मुक्त वर्ष के साथ जुड़ता रहता है।

उदाहरण के लिए, अगर आपने ₹10 लाख के कवर के साथ शुरुआत की है और आपकी पॉलिसी 10% संचयी बोनस (cumulative bonus) प्रदान करती है, तो आपका कवर एक क्लेम-मुक्त वर्ष के बाद ₹11 लाख तक, और दो वर्षों के बाद ₹12 लाख तक बढ़ सकता है। आज के समय में, जब हॉस्पिटल में भर्ती होने के खर्च तेज़ी से बढ़ रहे हैं, यह बोनस काफी काम आता है क्योंकि यह सीधा आपके कवर को बढ़ाता है।

लेकिन, पॉलिसीधारक अक्सर इस लाभ को अनदेखा कर देते हैं- रिन्यूअल के समय, अपने CB को ज़रूर चेक करें। इससे आपको अपने कवर की असली वैल्यू समझने में मदद मिलती है और यह भी सुनिश्चित होता है कि आप लंबे समय तक इंश्योर्ड रहने के सभी फायदों का पूरा लाभ उठा रहे हैं।

सवाल-4: क्या मेरे पॉलिसी के नेटवर्क हॉस्पिटल्स मेरे आस-पास हैं?

जवाब: आप अपनी इंश्योरेंस कंपनी के नेटवर्क में शामिल हॉस्पिटल्स में आसानी से कैशलेस ट्रीटमेंट सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। लेकिन मेडिकल एमरजेंसी के समय आपके पास यह देखने का समय नहीं होता कि कौन-सा हॉस्पिटल नेटवर्क में है। इसलिए बेहतर है कि पहले से ही अपने घर और ऑफिस के आसपास (लगभग 3-5 किमी के दायरे में) मौजूद नेटवर्क हॉस्पिटल्स की जानकारी लेकर उन्हें शॉर्टलिस्ट कर लें। इससे ज़रूरत पड़ने पर आपको इलाज के लिए पहले पैसे जुटाने की चिंता नहीं करनी पड़ेगी।

आप पूरा ध्यान अपने या अपनों के इलाज पर रख सकते हैं, जबकि हॉस्पिटल का बिल आपकी इंश्योरेंस कंपनी संभालती है। अगर आपने हाल ही में घर बदला है या किसी नए शहर में शिफ्ट किया है, तो नेटवर्क हॉस्पिटल्स की लिस्ट ज़रूर दोबारा चेक करें। यह अपडेटेड लिस्ट आपको अपनी इंश्योरेंस कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर आसानी से मिल जाएगी।

सवाल-5: क्या मुझे अपनी पॉलिसी को किसी अन्य इंश्योरेंस कंपनी के पास पोर्ट करना चाहिए?

जवाब: अगर आप क्लेम से संबंधित चुनौतियों या सर्विस संबंधी समस्याओं के कारण अपनी मौजूदा इंश्योरेंस कंपनी से नाखुश हैं, तो रिन्यूअल के समय अपनी हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी को अन्य कंपनी के पास पोर्ट करने पर विचार करना है सही कदम है। इस प्रक्रिया को रिन्यूअल से कम से कम 30 दिन पहले शुरू करना ज़रूरी है।

पोर्टेबिलिटी का फायदा यह है कि आप इंश्योरेंस कंपनी बदल सकते हैं, बिना अपने अहम फायदों को खोए - जैसे संचयी बोनस या वेटिंग पीरियड से जुड़े लाभ। लेकिन स्विच करने से पहले जल्दबाज़ी न करें, नई इंश्योरेंस कंपनी की पॉलिसी को अच्छे से समझें- उसमें क्या कवर मिलता है, कहीं कोई लिमिट या सब-लिमिट तो नहीं है, आदि।

साथ ही, कुछ ज़रूरी बातों पर भी ध्यान दें, जैसे कंपनी का सॉल्वेंसी रेशियो, क्लेम सेटलमेंट रेशियो, नेटवर्क हॉस्पिटल्स की संख्या और कस्टमर सर्विस की प्रतिष्ठा। इन सब बातों का सही आकलन आपको यह सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि जब आपको पॉलिसी की सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो, तब आपका अनुभव आसान और भरोसेमंद रहे।

अंत में, हेल्थ इंश्योरेंस का रिन्यूअल सिर्फ एक नियमित भुगतान नहीं है, बल्कि यह अपने फाइनेंशियल सुरक्षा कवच को दोबारा परखने, मज़बूत करने और भविष्य के लिए तैयार करने का मौका है। एक अच्छी और व्यापक पॉलिसी न सिर्फ आपकी बचत की सुरक्षा करती है, बल्कि अनिश्चित परिस्थितियों में आपको आत्मविश्वास भी देती है।

(लेखक- अमरनाथ सक्सेना, चीफ टेक्निकल ऑफिसर - कमर्शियल, बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (पूर्व नाम बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड))